केंद्रीय मंत्री ने वल्लभाचार्य आश्रम का दौरा किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री ने **छत्तीसगढ़ के रायपुर ज़िले के चंपारण शहर में** [महाप्रभु वल्लभाचार्य](#) **आश्रम** में पूजा-अर्चना की।

मुख्य बिंदु

- केंद्रीय मंत्री ने **नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास बैठकों के लिये छत्तीसगढ़ का दौरा किया।**
- **महाप्रभु वल्लभाचार्य:**
  - वल्लभाचार्य एक पूजनीय व्यक्ति थे, जिनकी [वेदों और उपनिषदों](#) **पर गहन पकड़ थी। उन्हें वल्लभ एवं महाप्रभु वल्लभाचार्य की उपाधियों** से जाना जाता था।
  - उन्होंने **शुद्ध अद्वैत या** [शुद्ध अद्वैतवाद](#) **के दर्शन की स्थापना की।** उन्होंने भारत के **ब्रज क्षेत्र** में **कृष्ण-केंद्रित पंथ,** [वैष्णववाद](#) **के पुष्टि संप्रदाय** की भी स्थापना की।
  - उन्होंने वेदांत दर्शन की अपनी स्वयं की व्याख्या विकसित करने के बाद **जगद्गुरु आचार्य और पुष्टिमार्ग भक्ति विद्यालय के गुरु की भी स्थापना की।**
  - उनका **जन्म 1479 ई. में छत्तीसगढ़ के रायपुर ज़िले के चंपारण** शहर में हुआ था।

//

वेद और उपनिषद

- **वेद:**

- वेद **चार** हैं: **ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद।**
- "वेद" शब्द मूल धातु "वदि" से बना है, जिसका अर्थ है **"आध्यात्मिक ज्ञान" या "ज्ञान का विषय"।**
- वेदों की रचना **वैदिक कवियों और ऋषियों द्वारा की गई थी,** जिन्होंने ब्रह्मांडीय रहस्यों का वर्णन करने के लिये संस्कृत काव्य का प्रयोग किया था।

- **उपनिषद:**
  - इन्हें **वेदांत** भी कहा जाता है, ये **भारतीय दर्शन का स्रोत** हैं और इनकी संख्या सामान्यतः 108 है, हालाँकि ज्ञात है कि इनकी संख्या 200 से भी अधिक है।
  - **"उपनिषद" शब्द का अर्थ है "(गुरु के) निकट बैठना"** और शिक्षक प्रायः जंगल में अपने विद्यार्थियों को मौखिक रूप से इन्हें पढ़ाते थे।
  - **दस मुख्य उपनिषद हैं ईश, केन, कठ, प्रश्न, मुण्डक, माण्डूक्य, तत्तिरीय, ऐतरेय, छान्दोग्य और बृहदारण्यक।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/unionminister-visits-vallabhacharya-ashram